

**Mohanlal Sukhadia University  
Udaipur (Raj.)**

**NOT FOR SALE  
FOR OFFICE USE ONLY**

**Syllabus**

**Scheme of Examination and Courses of Study**

**FACULTY OF HUMANITIES**



**M.A. SANSKRIT**

Previous Examination : 2008-2009

Final Examination : 2009-2010

**Edition : 2008**

**Price : Rs.20/-**



FOR OFFICE USE ONLY  
NOT FOR SALE

Published by :  
**Mohanlal Sukhadia University**  
Udaipur

Printed at :  
**National Printers**  
124, Chetak Marg, Udaipur  
Phone : 2523830, 2425784  
"Offset House" Bhuwana  
Phone : 2440994

## POST GRADUATE PROGRAMME

**M.A. (PREVIOUS & FINAL) EXAMINATION**  
**2008-09 & 2009-010**

### ECONOMICS

**Eligibility** : Graduation in any faculty is eligible in post graduate programme.

1. At each of the Previous and Final Year Examination in a subject, a candidate must obtain for a pass at least 36 % marks in practical, wherever prescribed, at the examination; provided that if a candidate fails to secure 25% marks in each individual paper of theory at any of the examination and also in the Dissertation; wherever prescribed, he/she shall be deemed to have failed at the examination, notwithstanding his/her having obtained the minimum percentage of marks required in the aggregate for the examination. Division will be awarded at the end of the Final Examination of the combined marks obtained at the Previous and the Final Examinations taken together as noted below. No Division will be awarded at the Previous Examination.

First Division	: 60 Percent	} of the total
		} aggregate marks
Second Division	: 48 Percent	} of Previous and
		} Final Year taken
Third Division	: 36 Percent	} together.

**Note** : The candidate is required to pass separately in theory and practicals.

2. Dissertation may be offered by regular students



only in lieu of one paper of Final Year Examination as prescribed in the syllabus of the subject concerned. Only such candidates will be permitted to offer dissertation who have secured atleast 50% marks in the aggregate at the previous examination.

**Note:** Dissertation shall be type-written and shall be submitted in triplicate, so as to reach the Controller of Examinations atleast two weeks before the commencement of Examination without late fee.

3. There shall be 10 papers in P.G. examination. Eight papers will be compulsory and two papers will be optional.

4. Each theory paper will be of three hours duration. The theory Question paper will be Divided into three parts :

(A) The part will consist of 10 objective type short answer questions carrying 1 mark with no choice. Two questions will be given from each unit (10 marks)

(B) This part will consist of total ten questions, two questions will be from each unit with internal choice. Each question will be of 10 marks with about 250 words (50 marks).

(C) This part will consist of four descriptive questions. Two questions will have to be attempted. Each question will be of 20 marks with about 500 words. These questions may have two parts in one question.

5. Wherever practicals are prescribed the scheme will be included in the syllabus.

6. A candidate who has completed a regular course of study for one academic year and Passed M.A. / M.Sc. / M.Com. Previous Examination of the university shall be admitted / Permitted to the Final Year class Examination for the degree of Master of Arts / Master Of Science / Master of Commerce provided that he / she has passed in atleast 50% of the papers at the previous examination by obtaining atleast 36% marks in each such paper.

(A) For reckoning 50% of the papers at the previous examination, practical will be included and one practical will be counted as one paper.

(B) A candidate will be required to pass in at least 50% of Theory Papers and 50% Practical Papers separately as mentioned in the mark sheet Rule 4(a).

(C) Where a candidate fails for want of securing minimum aggregate marks but secured 36% marks in atleast 50% of the papers, he/she will be exempted from re-appearing in those papers in which he/she has secured 36% marks.

(D) Where the candidate secures requisite of minimum percentage in the aggregate of all the papers but fails for want of the requisite minimum percentage of marks prescribed for each individuals paper he/she shall be exempted from re-appearing in such paper (s) in which he / she has secured atleast 25% marks.

7. A candidate who has declared fail at the Final Year Examination for the degree of Master of Science / Arts, Commerce shall be exempted from reappearing in a subsequent year in the following papers :



(A) Where a candidate fails for want of securing the minimum percentage in the aggregate marks, he/she shall be exempted from re-appearing in such paper (s) Practical (s). Dissertation in which he/she has secured atleast 36% marks; provided he/she is passing in atleast 50% of the papers. (Here passing in each paper requires 36% marks).

(B) Where a candidate secures the minimum requisite including dissertation wherever prescribed but fails for want of minimum percentage of marks prescribed for in each individual paper / dissertation, he / she shall be exempted from reappearing in such paper (s) dissertation in which he/she has secured atleast 25% marks provided he/she is passing in atleast 50% of the paper (here passing in each paper requires 25% marks).

## पाठ्यक्रम

### एम.ए. संस्कृत

#### (सामान्य निर्देश)

1. एम.ए. परीक्षा पूर्वार्द्ध एवं उत्तरार्द्ध में विभाजित होगी जिनमें कुल आठ प्रश्न-पत्र (चार पूर्वार्द्ध एवं चार उत्तरार्द्ध) में होंगे।
2. प्रत्येक प्रश्न पत्र 100 अंकों एवं तीन घंटे का होगा।
3. प्रश्न पत्रों में प्रश्न संस्कृत एवं हिन्दी में दिये जायेंगे पर परीक्षार्थी को अपने उत्तर हिन्दी, संस्कृत अथवा अंग्रेजी में देने की छूट होगी, यदि परीक्षक द्वारा कोई अन्यथा निर्देश न दिया गया हो।
4. प्रत्येक प्रश्न पत्र में 10 अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर देने के लिए निर्धारित हैं किन्तु निबंध एवं अनुवाद के प्रश्न पत्र पर यह नियम लागू नहीं होगा।
5. एम.ए. उत्तरार्द्ध की परीक्षा के लिए परीक्षार्थियों को 4 प्रश्न पत्र लेने होंगे, जिनमें से प्रथम प्रश्न पत्र 'काव्य, संस्कृत मूलक संस्कृति एवं निबंध' अनिवार्य हैं। शेष 3 प्रश्न पत्र ऐच्छिक वर्ग 'अ' एवं 'ब' में से किसी एक वर्ग से लिये जा सकते हैं। परीक्षार्थी उत्तरार्द्ध में चुने गये ऐच्छिक वर्ग के किसी एक प्रश्न पत्र के स्थान पर विभाग की अनुमति से लघु शोध-निबंध ले सकेंगे जो उन्हें उत्तरार्द्ध की परीक्षा से दो सप्ताह पूर्व अनिवार्यतः प्रस्तुत



करना होगा। यह लघु शोध-निबंध 100 अंकों का होगा। इसे केवल वही नियमित विद्यार्थी ले सकेगा जिसके एम.ए. पूर्वाह्न परीक्षा में प्राप्त अंकों का योग कम से कम 55 प्रतिशत होगा।

6. जिन परीक्षार्थियों ने संस्कृत एम0 ए0 परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है वे उत्तीर्ण परीक्षा में लिये गये वर्ग के अतिरिक्त अन्य किसी वर्ग की परीक्षा नियमानुसार दे सकते हैं। इसके लिए उन्हें केवल अंक सूची ही प्रदान की जायेगी।
7. परीक्षार्थियों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे देश की प्राचीन सांस्कृतिक केन्द्रों का साक्षात् ज्ञान प्राप्त करें जिसके लिए इन केन्द्रों की अपने अध्ययन काल में कम से कम एक शैक्षणिक यात्रा वांछनीय है।

## पाठ्यक्रम का विवरण

### एम0 ए0 पूर्वाह्न

प्रश्न पत्र प्रथम	:- वैदिक साहित्य
द्वितीय	:- भारतीय दर्शन
तृतीय	:- लौकिक काव्य, नाटक एवं काव्यशास्त्र
चतुर्थ	:- भाषा विज्ञान एवं व्याकरण

### एम0 ए0 उत्तराह्न

प्रश्न पत्र प्रथम	:- काव्य, संस्कृतमूलकसंस्कृति एवं निबंध
वर्ग (अ) (साहित्य)	
प्रश्न पत्र द्वितीय	:- साहित्यशास्त्र
तृतीय	:- नाटक एवं नाट्यशास्त्र
चतुर्थ	:- काव्य (गद्य एवं पद्य)
वर्ग (ब) (दर्शन)	
प्रश्न पत्र द्वितीय	:- वेदान्त एवं मीमांसा दर्शन
तृतीय	:- सांख्य एवं योग दर्शन
चतुर्थ	:- न्याय एवं वैशेषिक दर्शन



## एम.ए. पूर्वार्द्ध संस्कृत परीक्षा 2008-09

### प्रथम प्रश्न पत्र :- वैदिक साहित्य

100 अंक

#### पाठ्यक्रम

1. ऋग्वैदिक सूक्त (कुछ चुने हुए सूक्त मात्र)
2. बृहदारण्यक उपनिषद् (तृतीय अध्याय मात्र)
3. निरुक्त (प्रथम अध्याय मात्र)
4. वैदिक साहित्य का सामान्य इतिहास
5. संहिता पाठ से पद पाठ

संपूर्ण पाठ्यक्रम तीन खंडों तथा पांच इकाइयों में विभाजित किया गया है। इसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है:-

#### पाठ्यक्रम का विस्तृत विवरण

##### प्रथम खंड

(वस्तुनिष्ठात्मक भाग)

10 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित वस्तुनिष्ठ कुल दस प्रश्न पूछे जायेंगे। ये पाठ्यक्रम पर आधारित होंगे तथा सभी इकाइयों से समानरूप से सम्बद्ध होंगे।

#### पाठ्यक्रम की इकाइयाँ :-

##### प्रथम इकाई :-

10 अंक

ऋग्वेद संहिता के निम्नलिखित सूक्त

सवितृ (1.35), रुद्र (2.33)

मण्डूक (7.103), पुरुष (10.90)

वरुण (7.86), कितव (10.34)

नासदीय (10.129) तथा उषस् (1.48)

##### द्वितीय इकाई :-

10 अंक

बृहदारण्यक उपनिषद् (तृतीय अध्याय)

##### तृतीय इकाई :-

10 अंक

निरुक्त (यास्क)- (प्रथम अध्याय)

##### चतुर्थ इकाई :-

10 अंक

वैदिक साहित्य का सामान्य इतिहास

##### पंचम इकाई :-

10 अंक

संहिता पाठ से पदपाठ



## द्वितीय खंड

(व्याख्यात्मक भाग)

50 अंक

इस खंड के अंतर्गत कुल पांच प्रश्न (व्याख्याएं) शतप्रतिशत विकल्पों के साथ पूछे जायेंगे। इनमें से प्रत्येक का उत्तर (अर्थात् व्याख्या) लगभग 250 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं इनका पाठ्यक्रम के अनुसार विभाजन निम्न प्रकार से होगा—

(क) ऋग्वेद के सूक्तों में से किसी एक मन्त्र की सप्रसंग व्याख्या विकल्प के साथ पूछी जाएगी। 10 अंक

(ख) बृहदारण्यक उपनिषद् के (तृतीय अध्याय) से एक अवतरण की सप्रसंग संस्कृत भाषा में व्याख्या विकल्प के साथ पूछी जाएगी।

10 अंक

(ग) निरुक्त के (प्रथम अध्याय) से दो अंशों की सामान्य व्याख्या विकल्प के साथ पूछी जाएगी। 10 अंक

(घ) वैदिक साहित्य पर आधारित सामान्य व परिचयात्मक प्रश्न विकल्प के साथ पूछा जायेगा। 10 अंक

(ङ.) पाठ्यक्रम में निर्धारित ऋग्वेद के सूक्तों में से किसी एक मन्त्र का पदपाठ पूछा जायेगा। 10 अंक

## तृतीय खंड

(निबंधात्मक भाग)

40 अंक

इस खंड के अंतर्गत कुल दो प्रश्न (विकल्पों के साथ) पूछे जायेंगे। इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में देना होगा। इनके लिए 20-20 अंक निर्धारित हैं।

उक्त खंड के प्रथम प्रश्न के अंतर्गत निम्नलिखित बिन्दु आधार होंगे

20 अंक

1. ऋग्वेद का रचना काल, ऋग्वेद के पाठ्यक्रम में निर्धारित सूक्तों के देवताओं का चरित्र, ऋग्वेद का धर्म और दर्शन तथा ऋग्वेद की भाषा की सामान्य विशेषताएं।

2. द्वितीय प्रश्न :- निम्नलिखित बिन्दुओं में से किसी एक पर आधारित होगा - 20 अंक

बृहदारण्यक उपनिषद् की विषयवस्तु।

निरुक्त का सामान्य परिचय।

वैदिक साहित्य का सामान्य परिचय।

## सहायक पुस्तकें

1. ऋग्भाष्यसंग्रह - डी.आर चानना
2. द न्यू वैदिक सेलेक्शन्स - एस0के0 तैलंग एवं बी0बी0चौबे
3. वैदिक व्याकरण ए0ए0मैकडानल - अनु0 डा0 सत्यव्रत शास्त्री
4. वैदिक व्याकरण भाग 1,2 - डा0 रामगोपाल
5. वैदिक साहित्य और संस्कृति - पं0 बलदेव उपाध्याय
6. वैदिक साहित्य की रूपरेखा - एस0एन0 पाण्डेय एवं आर0बी0 जोशी